Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the decision of privatisation of Electricity Department functioning under the Andaman and Nicobar Administration.

श्री कुलदीप राय शर्मा (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह): महोदया, देश के दूसरे यू.टीज़. के साथ-साथ भारत सरकार ने यह फैसला किया कि अंडमान और निकोबार का जो इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट है, उसको भी प्राइवेटाइज करेंगे । मेरी आपके द्वारा सरकार से रिक्वेस्ट है कि अंडमान और निकोबार का जो इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट है, उसको प्राइवेटाइज न किया जाए । देश के दूसरे प्रांतों में जो करेन्ट का प्रोडक्शन होता है, वह थर्मल और हाइड्रोइलेक्ट्रिक द्वारा होता है, मगर अंडमान और निकोबार के दूरदराज के 19 द्वीपों में छोटे-बड़े 53 पावर हाउसेज के द्वारा 145 मेगावाट करेन्ट का प्रोडक्शन होता है, जो वहां के पूरे प्रोडक्शन का 93 प्रतिशत है । डीजल के द्वारा एक यूनिट को प्रोड्यूस करने का खर्च 19 रुपये आता है और उसके ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन में 8 रुपये का खर्च आता है । पूरा का पूरा एक यूनिट के लिए 27 रुपये लगता है । मगर, भारत सरकार उस पर सब्सिडी देती है और गरीब आदमी को 6 रुपये 90 पैसे में एक यूनिट बिजली मिलती है ।

महोदया, मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि अंडमान और निकोबार के इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट को प्राइवेटाइज न किया जाए । अगर आप प्राइवेटाइज करते हैं तो उससे न ही सरकार को फायदा होगा और न ही आम जनता को फायदा होगा क्योंकि जो बेनिफिट होगा, उसे प्राइवेट आदमी ले जाएगा । प्राइवेटाइज करने के बाद सारा का सारा बेनिफिट प्राइवेट आदमी को मिलेगा, क्योंकि आज जैसा कि मैंने कहा, वहां एक यूनिट करेन्ट 6 रुपये 90 पैसे का है और उसका एक्चुअल प्रोडक्शन कॉस्ट 27 रुपये है । उदाहरण के लिए आज एक गरीब आदमी बिजली के लिए एक महीने में 500 रुपये देता है तो अगर वह प्राइवेट के पास चला गया तो उसे 500 रुपये के बदले दो हजार रुपये महीने देना पड़ेगा ।

दूसरा, अगर आप प्राइवेटाइज़ करेंगे तो वहाँ 3000 लोगों की नौकरी चली जाएगी । अंडमान निकोबार में जो सबसे बड़ा इश्यू है, वह अन-इम्प्लाएमेंट का है । इससे और 3000 लोग अन-इम्प्लाएड हो जाएंगे । अत: मेरी आपके माध्यम से सरकार से यही माँग है कि अंडमान निकोबार का जो इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट है, उसको प्राइवेटाइज़ नहीं किया जाए ।

माननीय सभापति : माननीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर जी -- उपस्थित नहीं ।